कातरा नियंत्रण

खरीफ में खास तौर से दलहनी फसलों में कातरे का प्रकोप होता है। कीट की लट वाली अवस्था ही फसलों को नुकसान करती है। समन्वित कीट प्रबन्धन प्रभावी रहता है।

कातरे के पतंगे का नियंत्रण :- मानसून की वर्षा होते ही कातरे के पतंगों का जमीन से निकलना शुरू हो जाता है। यदि इन पतंगों को नष्ट कर दिया जाये तो फसलों में कातरे की लट का प्रकोप कम हो जाता है। इसकी रोकथाम प्रकाश पाश के उपयोग से सम्भव है जिसके लिये निम्न प्रकार उपाय अपनायें।

- पतंगों को प्रकाश की ओर आकर्षित करने हेतु खेत की मेड़ों पर, चरागाहों व खेतों में गैस लालटेन या बिजली का बल्ब जलायें तथा इनके नीचे मिट्टी के तेल मिले पानी की परात रखें ताकि रोशनी पर आकर्षित पतंगे पानी में गिर कर नष्ट हो जायें।

खेतो में घास कचरा जलाये :- जगह–जगह पर घास व कचरा एकत्रित कर जलायें, जिससे पतंगे रोशनी पर आकर्षित हो एवं जल कर नष्ट हो जायें।

कातरे की छोटी अवस्था खेतों के पास उगे जंगली पौधें एवं जहां फसल उगी हुई हो वहां पर अण्डों से निकली लटों एवं इनकी प्रथम व द्वितीय अवस्था पर क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

- बंजर जमीन या चारागाह में उगे जंगली पौधों से खेतों को फसलों को लट के आगमन को रोकने के लिये खेत के चारों तरफ खाइयां खोदें और खाइयों में क्यूनॉलफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण भुरक देवें ताकि खाई में आने वाली लटें नष्ट हो जावें।

कातरे की बड़ी अवस्था :- खेतों में लटें चुन–चुन कर एवं एकत्रित कर 5 प्रतिशत मिट्टी के तेल मिले पानी में डालकर नष्ट करें। निम्नलिखित में से किसी एक दवा का भुरकाव/छिड़काव करें।

- क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत या फोसलॉन 4 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर का भुरकाव करें।
- **जहां पानी उपलब्ध हो वहां :-** डाईक्लोरोवॉस 76 ई.सी. 300 मिली लीटर या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. 625 मिली लीटर या क्लोरपायरफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टेयर का छिड़काव करें। ■